मुख्य परीक्षा

क्या भारत की 8.2% की आर्थिक वृद्धि दर संधारणीय(Sustainable) है?

संदर्भ

भारत के नवीनतम जीडीपी आंकड़ों से 8.2% की आर्थिक वृद्धि का पता चलता है, जिसमें तिमाही उत्पादन ₹48.63 लाख करोड़ से अधिक रहा, जो विनिर्माण, सेवा, उपभोग, बैंकिंग, राजकोषीय और बाह्य क्षेत्रों में मजबूत गति का संकेत देता है। हालांकि, आईएमएफ द्वारा भारत के राष्ट्रीय आय लेखांकन ढांचे को दी गई 'ग्रेड C' रेटिंग इस सकारात्मक व्यापक आर्थिक परिदृश्य के विपरीत है।

वर्तमान विकास परिदृश्य -

- **उत्पादन में मजबूत वृद्धि:** जीडीपी में 8.2% की वृद्धि हुई, जो न केवल महामारी के बाद की रिकवरी है बल्कि निरंतर गति का संकेत है।
    - तिमाही उत्पादन ₹48.63 लाख करोड़ को पार कर गया, जो ऐतिहासिक रूप से उच्च स्तर है।
- **क्षेत्रीय प्रदर्शन:**
    - विनिर्माण में 9.1% की वृद्धि हुई ⟶ कारखाने लगभग पूरी क्षमता से चल रहे हैं; औद्योगिक मांग मजबूत है।
        - सेवाओं में 9.2% की वृद्धि हुई, जो अब सकल घरेलू उत्पाद का 60% है; वित्तीय सेवाओं में 10.2% की वृद्धि हुई, जो उच्च ऋण गतिविधि और शहरी खपत को दर्शाती है।
    - जलाशयों के बेहतर जलस्तर और मजबूत बागवानी उत्पादन के कारण कृषि क्षेत्र में 3.5% की वृद्धि हुई।
- **वास्तविक जीवीए वृद्धि:** वास्तविक जीवीए ₹82.88 लाख ⟶करोड़ से बढ़कर ₹89.41 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो वास्तविक मूल्य संवर्धन की पुष्टि करता है, न कि केवल मूल्य प्रभाव।
- **नियंत्रित मुद्रास्फीति + स्वस्थ नाममात्र वृद्धि:** नाममात्र जीडीपी में 8.8% की वृद्धि हुई, जो कम मुद्रास्फीति का संकेत है। वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में मुद्रास्फीति लक्ष्य से नीचे गिर गई।
- **खपत में सुधार:** निजी अंतिम उपभोग व्यय (पीएफसीई) में 7.9% की वृद्धि हुई, जिससे पता चलता है कि परिवार अधिक खर्च कर रहे हैं।
- **मजबूत बैंकिंग प्रणाली:** बैंकों में उच्च ऋण वृद्धि देखी गई।
    - बैलेंस शीट साफ-सुथरी है, और पूंजी नियामक मानदंडों से काफी ऊपर है।
- **जिम्मेदार राजकोषीय प्रबंधन:** सरकार ने मजबूत जीएसटी और प्रत्यक्ष कर संग्रह के माध्यम से राजकोषीय समेकन बनाए रखा।
    - खर्च की गुणवत्ता उच्च बनी रही।
- **बाहरी स्थिरता:** चालू खाता घाटा छोटा। सेवा निर्यात मजबूत; विदेशी मुद्रा भंडार में विविधता आई।

प्रमुख संरचनात्मक और सांख्यिकीय चिंताएँ -

- **सांख्यिकीय प्रणाली कमजोरियाँ (IMF ग्रेड C):** IMF पुराने आधार वर्ष (2011-12), PPI के बजाय WPI पर निर्भरता और अत्यधिक एकल-अपस्फीति विधियों जैसी कमियों पर प्रकाश डालता है।
- **राष्ट्रीय खातों में डेटा अंतराल:** आईएमएफ 2019 से उत्पादन और व्यय जीडीपी के बीच विसंगतियों, कमजोर अनौपचारिक-क्षेत्र कवरेज, मौसमी रूप से समायोजित डेटा की अनुपस्थिति और समेकित राज्य/स्थानीय निकाय डेटा गायब होने की ओर इशारा करता है।
- **असमान क्षेत्रीय प्रदर्शन:** खनन (0.04%) और उपयोगिताओं (4.4%) ने न्यूनतम वृद्धि दिखाई, जो दर्शाता है कि रिकवरी मुख्य क्षेत्रों में समान रूप से नहीं फैली हुई है।

- **उत्पादन और रोजगार संरचना के बीच बेमेल:** भारत के सकल घरेलू उत्पाद में सेवाओं का वर्चस्व है, लेकिन श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा कम उत्पादकता वाली कृषि और अनौपचारिक सेवाओं में बना हुआ है।
- **निर्यात कमजोरियां:** आरबीआई का कहना है कि निर्यात वैश्विक संरक्षणवाद, टैरिफ अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव के संपर्क में हैं।
- **मुद्रा का दबाव:** रुपये की स्पष्ट स्थिरता मजबूत अमेरिकी डॉलर और अस्थिर पूंजी प्रवाह से उत्पन्न निरंतर गिरावट के दबाव को छिपाती है।
- **अंतर्निहित संरचनात्मक नाजुकता:** मजबूत जीडीपी संख्या के बावजूद, संरचनात्मक कमजोरियां डेटा गुणवत्ता, क्षेत्रीय संतुलन और संस्थागत क्षमता में बनी हुई हैं।

आगे की राह -

- **सांख्यिकीय आधारों को उन्नत करना:** आधार वर्ष को अद्यतन करना, पीपीआई-आधारित अपस्फीति कारकों को अपनाना, मौसमी समायोजन लागू करना और राज्य एवं स्थानीय निकायों द्वारा डेटा रिपोर्टिंग को पुनर्गठित करना।
- **व्यापक क्षेत्रीय विकास को सुदृढ़ करना:** वास्तविक अर्थव्यवस्था में अधिक समान रूप से सुधार सुनिश्चित करने के लिए खनन, बिजली और उपयोगिता क्षेत्रों के प्रदर्शन में सुधार करना।
- **रोजगार और उत्पादकता में सामंजस्य स्थापित करना:** कम उत्पादकता वाले कृषि और अनौपचारिक सेवाओं से श्रमिकों को उच्च मूल्य वाले क्षेत्रों में स्थानांतरित करने में सहायता करना।
- **निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना:** निर्यात में विविधता लाकर और वैश्विक संरक्षणवादी रुझानों के प्रति जोखिम को कम करके कमजोरियों का समाधान करना।
- **संस्थागत क्षमता को सुदृढ़ करना:** दीर्घकालिक विकास को समर्थन देने के लिए उप-राष्ट्रीय डेटा प्रणालियों, प्रशासनिक क्षमताओं और शासन ढांचे में सुधार करना।

स्रोत: द हिंदू

भारत का STEM भविष्य

संदर्भ

पीएचडी शोध को "उभरती राष्ट्रीय प्राथमिकताओं" तक सीमित करने से अकादमिक स्वतंत्रता पर अंकुश लग सकता है और भारत के STEM पारिस्थितिकी तंत्र में गहरी संरचनात्मक कमजोरियां उजागर हो सकती हैं, इस चिंता के बाद एक राष्ट्रीय बहस छिड़ गई है।

भारत की STEM जनसांख्यिकी में रुझान -

- **स्नातकों की विशाल संख्या:** भारत प्रतिवर्ष 25-30 लाख विज्ञान, प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग (STEM) स्नातक तैयार करता है, जिससे यह चीन के बाद विश्व का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक बन गया है (AISHE 2021-22)।
- **अनुसंधान में लैंगिक असमानता:** यद्यपि STEM स्नातकों में महिलाओं की संख्या 43% है, लेकिन शोधकर्ताओं में उनकी हिस्सेदारी केवल 14% है, जो लगातार बनी हुई सामाजिक और संस्थागत बाधाओं को दर्शाती है।
- **शोधकर्ताओं का निम्न घनत्व:** भारत में प्रति दस लाख जनसंख्या पर केवल लगभग 260 शोधकर्ता हैं, जो चीन (लगभग 1,500), अमेरिका (लगभग 4,500) और दक्षिण कोरिया (लगभग 8,000) से काफी कम है।
- **क्षेत्रीय संकेन्द्रण:** STEM कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा आईटी और सॉफ्टवेयर सेवाओं में केंद्रित है, जबकि जैव प्रौद्योगिकी, सामग्री विज्ञान और भौतिकी जैसे प्रमुख अनुसंधान क्षेत्रों में प्रतिभा की भारी कमी है।

STEM शिक्षा और अनुसंधान के लिए चुनौतियां -

- **स्थिर अनुसंधान एवं विकास खर्च:** अनुसंधान एवं विकास पर भारत का सकल व्यय सकल घरेलू उत्पाद का **~0.64%** बना हुआ है, जो वैश्विक औसत (~1.8%) और चीन के 2.4% से काफी कम है।
- **कमजोर निजी क्षेत्र की भागीदारी:** उद्योग अनुसंधान एवं विकास व्यय में 40% से कम का योगदान देता है, जबकि उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में 70% से अधिक निजी वित्त पोषण होता है।
- **प्रशासनिक अड़चनें:** फैलोशिप भुगतान में लंबी देरी और कठोर खरीद प्रक्रियाएं शोधकर्ताओं को हतोत्साहित करती हैं।
- **उच्च स्तरीय क्षेत्रों में प्रतिभा पलायन:** उच्च स्तरीय अनुसंधान परिवेशों के कारण अधिकांश प्रतिभाशाली स्नातक—शीर्ष एआई शोधकर्ताओं में से लगभग 90%—विदेश चले जाते हैं।
- **अवसंरचना संबंधी कमियाँ:** अधिकांश राज्य विश्वविद्यालयों में आधुनिक प्रयोगशालाओं और उच्च गुणवत्ता वाली वैज्ञानिक पत्रिकाओं तक पहुँच का अभाव है।

भारत में की गई पहल -

- **अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (ANRF), 2023:** ₹50,000 करोड़ के साथ स्थापित, न कि केवल प्रमुख संस्थानों बल्कि विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में अनुसंधान निधि का विस्तार करने के लिए।
- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020:** बहु-विषयक शिक्षा को बढ़ावा देता है, STEM छात्रों को व्यापक बौद्धिक विकास के लिए मानविकी का अध्ययन करने में सक्षम बनाता है।
- **राष्ट्रीय क्वांटम मिशन:** मध्यवर्ती पैमाने के क्वांटम कंप्यूटर बनाने के लिए ₹6,000 करोड़ आवंटित।
- **इंडियाएआई मिशन:** एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और मल्टीमॉडल लैंग्वेज/विजन मॉडल विकसित करने के लिए 10,372 करोड़ रुपये मंजूर किए गए।
- **अटल इनोवेशन मिशन**: इसने रोबोटिक्स, आईओटी और समस्या-समाधान में शुरुआती कौशल का पोषण करने के लिए 10,000+ अटल टिंकरिंग लैब्स की स्थापना की है।

आगे की राह -

- **अनुसंधान एवं विकास खर्च को सकल घरेलू उत्पाद के 2% तक बढ़ाना:** भारत को वैश्विक बेंचमार्क तक अनुसंधान निवेश बढ़ाने के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता की आवश्यकता है।

- **उद्योग-अकादमिक सहयोग बढ़ाना:** कंपनियों को सीएसआर आवश्यकताओं या लक्षित अनुसंधान एवं विकास कर प्रोत्साहनों के माध्यम से विश्वविद्यालय अनुसंधान को वित्तपोषित करने के लिए प्रोत्साहित करना।
- **अनुसंधान प्रशासन को सरल बनाना:** अनुदान स्वीकृति और प्रयोगशाला उपकरण खरीद के लिए एकल-खिड़की प्रणाली लागू करना ताकि नौकरशाही की देरी को कम किया जा सके।
- **प्रतिभा प्रतिधारण में सुधार:** प्रतिस्पर्धी वेतन के साथ पोस्ट-डॉक्टरल पदों का विस्तार करना और समय पर, स्वचालित फेलोशिप भुगतान सुनिश्चित करना।
- **राष्ट्रव्यापी स्तर पर अनुसंधान तक पहुंच बढ़ाना:** राज्य और ग्रामीण संस्थानों को एएनआरएफ सहायता का विस्तार करना, जिससे आईआईटी और आईआईएससी के भीतर धन की एकाग्रता कम हो सके।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

भारत में सौर ऊर्जा

संदर्भ

भारत के ऊर्जा परिवर्तन को गति देने के लिए ऊर्जा संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने सौर परियोजनाओं के लिए एकल-खिड़की मंजूरी की सिफारिश की है।

भारत में सौर ऊर्जा की वर्तमान स्थिति -

- **तीव्र क्षमता विस्तार: वर्तमान** में, भारत में **116 गीगावॉट सौर ऊर्जा स्थापित क्षमता** है और **2030** तक **292 गीगावॉट सौर ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य** रखा गया है।
- **नवीकरणीय ऊर्जा का प्रमुख स्रोत: भारत** की **कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता** में **सौर ऊर्जा का हिस्सा 47%** है, जो इसे नवीकरणीय ऊर्जा का अग्रणी क्षेत्र बनाता है।
- **2024 में इंस्टॉलेशन:**
  - **यूटिलिटी-स्केल सोलर:** 18.5 गीगावाट, जो 2023 से 2.8 गुना अधिक है।
  - **रूफटॉप सोलर:** 4.59 गीगावाट, जो 2023 से 53% की वृद्धि दर्शाता है।
- **सौर विनिर्माण वृद्धि:** सौर मॉड्यूल निर्माण क्षमता 2 गीगावॉट (2014) से बढ़कर 60 गीगावॉट (2024) हो गई।
- **उपयोगिता-पैमाने पर सौर ऊर्जा के लिए शीर्ष राज्य:** राजस्थान, गुजरात, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश।

भारत में सौर ऊर्जा के लिए नीतिगत समर्थन और समर्थक -

- **मजबूत क्षमता:** भारत के सौर संभावित मानचित्र में कुल सौर क्षमता 748.98 गीगा वाट पीक (GWp) होने का अनुमान है।
- **निवेश-अनुकूल नीतियां:** नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए स्वचालित मार्ग के तहत 100% एफडीआई की अनुमति है।
  - 30 जून, 2025 तक चालू होने वाली सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अंतर-राज्यीय ट्रांसमिशन शुल्क में छूट।
- **नवीकरणीय ऊर्जा की मांग को बढ़ावा देना:** 2029-30 तक एक नया नवीकरणीय खरीद दायित्व(RPO) प्रक्षेपवक्र अधिसूचित किया गया है, जिसमें विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा के लिए एक समर्पित घटक भी शामिल है।
- **घरेलू विनिर्माण का विस्तार:** सौर पार्क योजना और उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल के लिए पीएलआई कार्यक्रम जैसी योजनाओं का उद्देश्य स्वदेशी सौर घटक उत्पादन को मजबूत करना है।
- **उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाना:** ऊर्जा दक्षता ब्यूरो(BEE) ने उपभोक्ताओं का मार्गदर्शन करने और दक्षता में सुधार करने के लिए सौर इनवर्टर और पीवी मॉड्यूल(मार्च 2024) के लिए मानक और लेबलिंग पेश की।
- **अंतर्राष्ट्रीय नेतृत्व और साझेदारी:** भारत **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA)** के माध्यम से वैश्विक सौर सहयोग का नेतृत्व करता है।
  - इंडो-जर्मन सोलर एनर्जी पार्टनरशिप (IGSP) बाजार तंत्र और निवेश को सक्षम करके रूफटॉप सोलर अपनाने को बढ़ावा देती है।
- **भारत सरकार द्वारा पहल:**
  - **पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना** - मुफ्त बिजली पैदा करने के लिए घरों को वित्तीय सहायता प्रदान करके रूफटॉप सोलर प्रतिष्ठानों को बढ़ावा देने के लिए एक योजना।
  - **पीएम-कुसुम** - एक कार्यक्रम जिसका उद्देश्य सौर पंपों, ग्रिड से जुड़े सौर संयंत्रों और किसान के स्वामित्व वाली सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना के माध्यम से कृषि को सिंचित करना है।
  - **सौर पार्क योजना का विकास** - उपयोगिता-पैमाने पर सौर परियोजनाओं की तेजी से स्थापना की सुविधा के लिए तैयार बुनियादी ढांचे के साथ बड़े, पूर्व-अनुमोदित सौर पार्क बनाने की एक पहल।

भारत के सौर क्षेत्र में चुनौतियाँ क्या हैं?

- **भूमि अधिग्रहण में देरी:** धीमी भूमि खरीद के कारण उपयोगिता-पैमाने पर सौर परियोजनाओं के कार्यान्वयन में देरी हो रही है।

- **लंबी वन और वन्यजीव मंजूरी:** कई पर्यावरणीय अनुमतियों के कारण ट्रांसमिशन परियोजनाओं को लंबे समय तक अनुमोदन प्रक्रियाओं का सामना करना पड़ता है।
- **ट्रांसमिशन लाइन में देरी:** राइट-ऑफ-वे (RoW) विवाद और मुआवजे के मुद्दे ट्रांसमिशन लाइन की स्थापना को धीमा कर देते हैं।
- **अपर्याप्त भंडारण क्षमता:** पर्याप्त ऊर्जा-भंडारण बुनियादी ढांचे की कमी सौर ऊर्जा के एकीकरण में बाधा डालती है।
- **कमजोर घरेलू विनिर्माण आधार:** भारत में अभी भी सौर घटकों, विशेष रूप से उन्नत प्रणालियों के लिए मजबूत विनिर्माण क्षमता का अभाव है।
- **क्षेत्रीय असंतुलन:** सौर ऊर्जा परिनियोजन में उच्च क्षमता वाले कुछ क्षेत्र अविकसित रहते हैं।

आगे की राह -

- **एकल-खिड़की मंजूरी प्रणाली:** केंद्र और राज्यों में भूमि संबंधी और परियोजना संबंधी सभी अनुमतियों के लिए एक एकीकृत तंत्र स्थापित करना।
- **मंजूरी के लिए समर्पित पोर्टल:** वन और वन्यजीव प्राधिकरणों को एकीकृत करते हुए, ट्रांसमिशन संबंधी स्वीकृतियों के लिए एक विशेष पोर्टल बनाना।
- **मार्ग अधिकार मुआवजा प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना:** ट्रांसमिशन विकास में तेजी लाने के लिए राज्यों को बाजार दरों पर मार्ग अधिकार भुगतान के लिए केंद्र के दिशानिर्देशों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना।
- **ऊर्जा भंडारण में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना:** भंडारण प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रमुख संस्थानों को समर्पित पूंजी अनुदान प्रदान करना।
- **घरेलू विनिर्माण को मजबूत करना:** उच्च वोल्टेज प्रत्यक्ष धारा (एचवीडीसी) से संबंधित अनुसंधान एवं विकास के लिए पर्याप्त धन आवंटित करना और एचवीडीसी प्रौद्योगिकी में कुशल मानव संसाधन को प्रशिक्षित करना।
- **क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना:** केंद्रीय सहायता की समयबद्ध उपलब्धता, नियमित निगरानी और परियोजना संबंधी बाधाओं के त्वरित समाधान के माध्यम से कम क्षमता वाले क्षेत्रों में सौर ऊर्जा विकास को बढ़ावा देना।

स्रोत: टीओआई

प्रारंभिक परीक्षा

Su-57 पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ फाइटर

संदर्भ

भारत ने Su-57, लंबी दूरी के ड्रोन और पनडुब्बियों के लिए भारत के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाने के रूसी प्रस्ताव पर ठंडी प्रतिक्रिया दी।

Su-57 पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर के बारे में -

- **इसका विकास रूस के सुखोई डिजाइन ब्यूरो द्वारा PAK-FA(फ्रंटलाइन एविएशन का संभावित हवाई परिसर) कार्यक्रम के तहत किया गया है।**
- **विशेषताएँ:**
    - **स्टील्थ:** स्टील्थ शेपिंग, रडार-अवशोषक सामग्री और आंतरिक हथियार बे के माध्यम से कम रडार क्रॉस-सेक्शन (आरसीएस)।
    - **बहुभूमिका क्षमता:** हवाई युद्ध के साथ-साथ भूमि और समुद्री लक्ष्यों के खिलाफ सटीक हमलों के लिए डिज़ाइन किया गया।
    - **ट्विन इंजन:** थ्रस्ट-वेक्टरिंग नोजल के साथ दो AL-41F1 टर्बोफैन इंजन का उपयोग करता है।
    - **सुपरमैन्युवेरिबिलिटी:** थ्रस्ट वेक्टरिंग और उन्नत वायुगतिकी क्लोज-रेंज कॉम्बैट प्रदर्शन को बढ़ाते हैं।
    - **शीर्ष गति:** उच्च ऊंचाई पर मैक-2.0 (लगभग 2,400 किमी/घंटा)।
        - कम ऊंचाई पर मैक-1.09 (1,350 किमी/घंटा) के आसपास
    - **एवियोनिक्स और सेंसर:** उन्नत सेंसर संलयन और स्थितिजन्य जागरूकता के साथ एकीकृत एवियोनिक्स।

स्रोत: द हिंदू

CEC का चयन

संदर्भ

लोकसभा में विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त(CEC) और चुनाव आयुक्तों(EC) के चयन के लिए जिम्मेदार उच्च स्तरीय समिति से भारत के मुख्य न्यायाधीश(CJI) को हटाने पर सवाल उठाया है।

CEC और EC की नियुक्ति -

- **अनुच्छेद 324**: यह कहता है कि CEC और EC की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी, यह संसदीय कानून के अधीन है (यदि ऐसा कानून मौजूद है)।
- **सर्वोच्च न्यायालय का हस्तक्षेप: 2023** में, सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ ने **अनूप बरनवाल बनाम भारत संघ** मामले में **चुनाव आयोग की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए नियुक्तियों की प्रक्रिया में बदलाव किया।**
    - इसने प्रधानमंत्री, संसद में विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) को शामिल करते हुए एक समिति बनाई।
    - जब तक संसद इस विषय पर एक अलग कानून पारित नहीं कर देती, तब तक यह समिति चुनाव आयोग की नियुक्तियों के संबंध में राष्ट्रपति को सिफारिशें और सलाह देगी।
- **2023 अधिनियम में परिवर्तन:** CJI को चयन समिति से बाहर रखा गया था।

2023 के अधिनियम के प्रमुख प्रावधान -

- **धारा 5: पात्रता** – CEC और EC के पद के लिए उम्मीदवार वर्तमान या पूर्व सचिव स्तर के अधिकारी होने चाहिए।
- **धारा 6: खोज समिति** - कानून मंत्री की अध्यक्षता में एक खोज समिति, विचार के लिए 5 नामों का एक पैनल तैयार करती है।
    - खोज समिति में दो अन्य सदस्य शामिल होते हैं, दोनों भारत सरकार के सचिव से नीचे के पद के न हों।
- **धारा 7: चयन समिति** - चयन समिति में शामिल हैं:
    - प्रधानमंत्री
    - एक कैबिनेट मंत्री
    - लोकसभा में विपक्ष के नेता या सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता।
- यह समिति चयन समिति द्वारा तैयार किए गए पैनल में से चयन कर सकती है या चुनाव आयोग के बाहर के "किसी अन्य व्यक्ति" पर भी विचार कर सकती है।

स्रोत: द हिंदू

यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची

संदर्भ

नई दिल्ली में यूनेस्को की 20वीं अंतरसरकारी समिति के सत्र में घोषणा की गई कि **दीपावली** को **यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया गया है।**

यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची के बारे में -

- **यह सूची उन जीवंत सांस्कृतिक परंपराओं को मान्यता देती है, जैसे मौखिक परंपराएं, प्रदर्शन कलाएं, अनुष्ठान, सामाजिक प्रथाएं, पारंपरिक शिल्प कौशल और प्रकृति का ज्ञान, जिन्हें समुदाय पीढ़ियों से विरासत में प्राप्त करते हैं, अभ्यास करते हैं और आगे बढ़ाते हैं।**
- इसका उद्देश्य सांस्कृतिक विविधता की रक्षा करना, अंतर-सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देना और समुदायों को उनकी जीवंत विरासत को संरक्षित करने में सहायता करना है।
- **भारत की अन्य सांस्कृतिक विरासत:**
    - गुजरात का गरबा (2023),
    - कोलकाता में दुर्गा पूजा (2021),
    - कुंभ मेला (2017),
    - योग (2016),
    - बर्तन बनाने का पारंपरिक पीतल और तांबे का शिल्प (पंजाब के थाथेरस) (2014),
    - संकीर्तन (मणिपुर) (2013),
    - लद्दाख का बौद्ध जप (2012),
    - छऊ नृत्य (2010),
    - कालबेलिया लोक गीत और नृत्य (राजस्थान) (2010),
    - मुडियेट्टू (केरल) (2010),
    - रम्मन (गढ़वाल हिमालय) (2009),
    - कुट्टियट्टम (संस्कृत रंगमंच) (2008),
    - वैदिक जप की परंपरा (2008),
    - रामलीला (रामायण का पारंपरिक प्रदर्शन) (2008)।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU)

संदर्भ

अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ - स्पेक्ट्रम और कक्षीय स्लॉट को विनियमित करने वाला वैश्विक निकाय - दबाव में है, क्योंकि इसकी पुरानी समन्वय प्रणाली हजारों नए उपग्रहों को संभालने में संघर्ष कर रही है।

अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU) के बारे में -

- **सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के लिए संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी।**
- **स्थापना: 1865 में**, जो इसे **सबसे पुरानी संयुक्त राष्ट्र एजेंसी** बनाती है।
- **मुख्यालय**: **जिनेवा, स्विट्जरलैंड** दुनिया भर में क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ।
- **सदस्य: 194 सदस्य राज्य** और 1000+ क्षेत्र के सदस्य (कंपनियां, विश्वविद्यालय, अंतर्राष्ट्रीय संगठन)।
- **कार्य:**
    - संचार नेटवर्क में वैश्विक संपर्क को सुगम बनाता है।
    - वैश्विक स्तर पर रेडियो-फ्रीक्वेंसी स्पेक्ट्रम और उपग्रह कक्षाओं का आवंटन करता है।
    - दूरसंचार और डिजिटल नेटवर्क के निर्बाध अंतर्संबंध को सक्षम बनाने वाले अंतर्राष्ट्रीय तकनीकी मानकों का विकास करता है।
    - विशेषकर कम विकसित क्षेत्रों में डिजिटल समावेशन, क्षमता निर्माण और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) विकास को बढ़ावा देता है।
    - वार्ता, मानक निर्धारण और ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए एक बहुपक्षीय मंच प्रदान करता है।
- **कार्य के प्रमुख क्षेत्र:**
    - **ITU-R:** रेडियो संचार – स्पेक्ट्रम प्रबंधन, उपग्रह समन्वय।
    - **ITU-T:** दूरसंचार मानक – प्रोटोकॉल, साइबर सुरक्षा, 5G/6G मानक।
    - **ITU-D:** सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विकास – डिजिटल विभाजन को पाटना, नीति एवं क्षमता समर्थन।

स्रोत: द हिंदू

टर्नर पुरस्कार

संदर्भ

कलाकार नेन्ना कालू (Nnena Kalu) प्रतिष्ठित टर्नर पुरस्कार जीतने वाली अधिगम अक्षमता (learning disability) वाली पहली कलाकार बन गईं।

टर्नर पुरस्कार के बारे में -

- **स्थापना: 1984 में, 'पेट्रॉन्स ऑफ न्यू आर्ट' नामक एक समूह द्वारा।**
- **उद्देश्य:** विश्व में कहीं भी काम कर रहे ब्रिटिश कलाकार, या ब्रिटेन में काम कर रहे आप्रवासी कलाकार को प्रदान किया जाता है।
- **प्रशासन:** टेट गैलरी (यूके) द्वारा प्रशासित, जो हर साल एक नई जूरी का चयन करती है।
- **जूरी संरचना:** इसमें गैलरी निदेशक, क्यूरेटर, कला समीक्षक, लेखक, और कम से कम एक अंतर्राष्ट्रीय सदस्य शामिल होते हैं।
- **पुरस्कार राशि:** विजेता के लिए £25,000 और प्रत्येक शॉर्टलिस्ट किए गए कलाकार के लिए £10,000।
- **भारतीय मूल के विजेता: अनीश कपूर (1991), जसलीन कौर।**

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

विश्व असमानता रिपोर्ट 2026

संदर्भ

विश्व असमानता रिपोर्ट 2026 हाल ही में विश्व असमानता प्रयोगशाला द्वारा जारी की गई थी।

रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष -

असमानता का वैश्विक परिदृश्य

- **वैश्विक धन का अत्यधिक सांद्रीकरण**: शीर्ष 0.001% (56,000 वयस्कों) के पास वैश्विक संपत्ति का 6% हिस्सा है - जो संयुक्त रूप से मानवता के निचले 50% (4 बिलियन लोग) से अधिक है।
    - शीर्ष 100 मिलियन क्लब (56 लोग) में दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों में से प्रत्येक के पास €53 बिलियन की औसत संपत्ति है, जो कई अफ्रीकी देशों के सकल घरेलू उत्पाद से अधिक है।
- **उच्च आय वाली अर्थव्यवस्थाएं असमानता दिखाती हैं लेकिन निचले स्तर पर**
    - **अमेरिका:** शीर्ष 10% के पास आय का 47% हिस्सा है; नीचे के 50% के पास 13% है।
    - **चीन:** शीर्ष 10% के पास 41% है; नीचे के 50% के पास 18% है।
    - **फ्रांस:** शीर्ष 10% के पास 33% हिस्सेदारी है; नीचे के 50% के पास 22% (प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे बराबर में से एक) है।
- **विकासशील देशों में गंभीर असमानता दिखाई देती है**
    - दक्षिण अफ्रीका दुनिया की सबसे असमान बड़ी अर्थव्यवस्था बनी हुई है (शीर्ष 10%: 66%; नीचे 50%: 10%)।
    - ब्राज़ील भी अत्यधिक संकेन्द्रण प्रदर्शित करता है (शीर्ष 10%: 59%; नीचे 50%: 12%)।

भारत की असमानता - WIR 2026 निष्कर्ष

- **भारत सबसे अधिक असमानता वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में उभरता है:**
    - शीर्ष 10% आय हिस्सेदारी: 58%
    - शीर्ष 1% आय हिस्सेदारी: 22.6% (स्वतंत्रता के बाद से सबसे अधिक)
    - नीचे 50% आय हिस्सेदारी: 15%
- **धन का संकेन्द्रण और भी तेज है**
    - शीर्ष 10% के पास 65% संपत्ति है
    - शीर्ष 1% के पास 40.1% हैं - विश्व स्तर पर दक्षिण अफ्रीका के बाद दूसरे स्थान पर
- **औपनिवेशिक युग के स्तरों के बराबर असमानता**
    - 1922: शीर्ष 10% हिस्सेदारी 55-57%
    - 1982: ~ 35% तक गिर गया
    - 2025: 58% पर वापस, स्वतंत्रता के बाद समतावादी लाभ के उलटने का संकेत
- **लैंगिक, जातीय और क्षेत्रीय असमानताएं बनी हुई हैं**
    - महिला श्रम आय का हिस्सा: 18%
    - ग्रामीण क्षेत्रों में निम्नतम 50% आय: ₹32,000/वर्ष

- शहरी क्षेत्रों में शीर्ष 1% आय: ₹53 लाख/वर्ष
- अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के लोग निम्नतम 40% आय में केंद्रित हैं

- **भारत की बढ़ती असमानता के चालक**
  - कौशल-पक्षपाती प्रौद्योगिकी उच्च कौशल वाले शहरी क्षेत्रों को लाभ पहुंचा रही है
  - निजीकरण और सांठगांठ वाले पूंजीवाद
  - कमजोर श्रम कानून ⟶ स्थिर मजदूरी
  - प्रतिगामी कराधान (कर-से-जीडीपी केवल 17%)
- **भारत के लिए नीतिगत सिफारिशें**
  - 10 करोड़ रुपये से अधिक की कुल संपत्ति पर 2% संपत्ति कर
  - विरासत कर की पुनः शुरुआत
  - शीर्ष 1% आय पर अतिरिक्त कर
  - सार्वभौमिक बुनियादी सेवाओं का विस्तार: शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बाल देखभाल
- **वितरण के बिना विकास**
  - प्रति व्यक्ति आय 2014 में €1,900 से बढ़कर 2025 में €6,200 (PPP) हो गई।
  - फिर भी लाभ असमान रूप से शीर्ष पर चला गया, जिससे असमानता बढ़ गई

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

बोरेंडो

संदर्भ

बोरेंडो (भोरिंडो) को आधिकारिक तौर पर **यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में अंकित किया गया है।**

बोरेंडो के बारे में -

- **यह सिंध, पाकिस्तान का एक प्राचीन मिट्टी का लोक संगीत वाद्ययंत्र है।**
- इसे दक्षिण एशिया की सबसे पुरानी जीवित संगीत परंपराओं में से एक माना जाता है, जो 5,000 साल से भी अधिक पुरानी है और इसकी उत्पत्ति सिंधु घाटी सभ्यता (मोहनजोदड़ो) से मानी जाती है।

स्रोत: हिंदुस्तान टाइम्स

मेफेड्रोन

संदर्भ

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने **ऑपरेशन हिंटरलैंड ब्रू** के तहत महाराष्ट्र में एक मेफेड्रोन विनिर्माण सुविधा को नष्ट कर दिया।

मेफेड्रोन के बारे में -

- **यह एक कृत्रिम औषधि है जिसे प्रसिद्ध अवैध मादक पदार्थों (जिन्हें न्यू साइकोएक्टिव सब्सटेंस (एनपीएस) भी कहा जाता है) के प्रभावों की नकल करने के लिए बनाया गया है।**
- इसे सहानुभूति बढ़ाने वाला पदार्थ माना जाता है; यह मस्तिष्क और शरीर के शेष भाग के बीच संचार को तेज करते हुए सहानुभूति की भावनाओं को बढ़ाता है।

स्रोत: पीआईबी

CITES की 50वीं वर्षगांठ

संदर्भ

लुप्तप्राय वन्य जीवों और वनस्पतियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर सम्मेलन (CITES) के पक्षकारों के सम्मेलन (CoP20) की 20वीं बैठक उज्बेकिस्तान के समरकंद में संपन्न हुई, जो इस सम्मेलन की 50वीं वर्षगांठ का प्रतीक है।

CITES के बारे में -

- **उद्देश्य: यह सुनिश्चित करना कि जंगली जानवरों और पौधों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से उनके अस्तित्व को खतरा न हो।**
- **स्थापना**: 1973 में अपनाया गया और 1975 में लागू हुआ।
- **सदस्य:** 185 सदस्य दल (तुर्कमेनिस्तान (हाल ही में): 2024, भारत: 1976)।
- **सचिवालय:** संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) द्वारा प्रशासित और जिनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित है।
- **प्रतिनिधियों की बैठक:** प्रगति की समीक्षा करने और संरक्षित प्रजातियों की सूचियों को समायोजित करने के

लिए पार्टियों के सम्मेलन (COP) में हर दो से तीन साल में।

- **CITES पार्टियों के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी है, लेकिन यह राष्ट्रीय कानूनों को प्रतिस्थापित नहीं करता है; इसके बजाय, पार्टियों को कन्वेंशन को लागू करने की आवश्यकता होती है।**
- **सुरक्षा के विभिन्न स्तरों वाली श्रेणियाँ:**
    - **परिशिष्ट I:** इसमें वे प्रजातियाँ शामिल हैं जो **विलुप्ति के खतरे** का सामना कर रही हैं और इन्हें **उच्चतम स्तर का संरक्षण** प्रदान किया जाता है, **जिसमें वाणिज्यिक व्यापार पर पूर्ण प्रतिबंध शामिल है।**
    - **परिशिष्ट II:** इसमें वे प्रजातियाँ शामिल हैं जो वर्तमान में विलुप्ति के खतरे में नहीं हैं, लेकिन व्यापार नियंत्रण के अभाव में खतरे में आ सकती हैं। **विनियमित व्यापार एक निर्यात परमिट के साथ अनुमत है जो यह सुनिश्चित करता है कि अधिग्रहण कानूनी है और व्यापार प्रजाति के अस्तित्व या उसकी पारिस्थितिकी तंत्र भूमिका के लिए गैर-हानिकारक(non-detrimental) है।**
    - **परिशिष्ट III:** इसमें **वे प्रजातियाँ शामिल हैं जिनके लिए किसी देश ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को नियंत्रित करने हेतु अन्य CITES पक्षकारों से सहायता का अनुरोध किया है।** व्यापार को CITES निर्यात परमिट और उत्पत्ति प्रमाणपत्रों(certificates of origin) का उपयोग करके विनियमित किया जाता है।

यूपीएससी पीवाईक्यू

Q. प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (IUCN) और लुप्तप्राय वन्य जीवों और वनस्पतियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर सम्मेलन (CITES) के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं? (2015)

1. IUCN संयुक्त राष्ट्र का एक अंग है और CITES सरकारों के बीच एक अंतरराष्ट्रीय समझौता है।
2. IUCN प्राकृतिक वातावरण को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने के लिए दुनिया भर में हजारों फील्ड प्रोजेक्ट चलाता है।
3. CITES कानूनी रूप से उन राज्यों के लिए बाध्यकारी है जो इसमें शामिल हुए हैं, लेकिन यह कन्वेंशन राष्ट्रीय कानूनों की जगह नहीं लेता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

समाचार में प्रजातियां

पश्चिमी ट्रैगोपन(Western Tragopan)

समाचार? अध्ययनों से पता चला है कि पश्चिमी ट्रैगोपैन छोटे-छोटे खंडित क्षेत्रों में जीवित है।

पश्चिमी ट्रैगोपन के बारे में -

- **वितरण:** पश्चिमी हिमालय में घने अंडरग्राउंड के साथ अबाधित पर्वतीय वन।
  - जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में पाया जाता है।
- **विशेषताएं:**
  - मध्यम आकार की तीतर प्रजातियां।
  - स्थानीय रूप से जुजुराना ("पक्षियों का राजा") के नाम से जाना जाता है।
  - **स्वरुप:**
    - **नर:** गहरे रंग के पंख जिन पर सफेद धब्बे होते हैं, चमकीला नारंगी रंग का सीना, लाल गर्दन का पिछला भाग और नीला गला।
    - **मादा:** भूरे-धूसर रंग की जिन पर सफेद धारियाँ होती हैं और निचले हिस्से हल्के रंग के होते हैं।
  - **हिमाचल प्रदेश का राज्य पक्षी।**
- **खतरे:** मानवीय अशांति, जलवायु परिवर्तन, वन हानि, विखंडन और निवास स्थान के क्षरण के प्रति अत्यधिक संवेदनशील।
- **संरक्षण की स्थिति:** संवेदनशील(आईयूसीएन स्थिति), परिशिष्ट I (CITES)।

समाचार में स्थान

वेनेज़ुएला

समाचार? सितंबर में कैरिबियन में अमेरिकी सेना द्वारा किए गए नाव हमले को लेकर संयुक्त राज्य अमेरिका जाँच के घेरे में है, जिसमें कथित तौर पर मादक पदार्थों की तस्करी कर रहे एक वेनेजुएला के पोत पर हमला किया गया था।

वेनेजुएला के बारे में -

- **अवस्थिति:** दक्षिण अमेरिका का उत्तरी तट
- **राजधानी**: **करकस**
- **भौगोलिक सीमाएँ**
  - **उत्तर**: कैरेबियन सागर और अटलांटिक महासागर
  - **पूर्व**: गुयाना
  - **दक्षिण**: ब्राजील
  - **पश्चिम/दक्षिण-पश्चिम**: कोलंबिया
- **भौतिक विशेषताएं**
  - **उत्तर में** एंडीज पर्वत
  - **विशाल ललानोस (मैदानों)** के साथ **ओरिनोको नदी बेसिन**
  - **माराकाइबो झील - दक्षिण अमेरिका की सबसे बड़ी झील**
  - **एंजेल फॉल्स - दुनिया का सबसे ऊंचा झरना**
- **प्रमुख नदियाँ**
  - **रियो नीग्रो** (2,250 किमी) - अमेज़न की सहायक नदी; कोलंबिया और ब्राजील के साथ साझा करती है
  - **ओरिनोको नदी** (2,101 किमी) - दक्षिण अमेरिका की तीसरी सबसे लंबी नदी
- **द्वीप और द्वीपसमूह (कैरेबियन):** मार्गरीटा द्वीप, ला ब्लैंक्विला, ला टोर्टुगा, लॉस रोक्स, लॉस मोंजेस
- **प्राकृतिक संसाधन:** दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस